



बुढनी बट्कोहीके विमर्ष

बुढनी बट्कोहीसे थारु भाषा संरक्षणमे सहयोग

सुदूरपश्चिम प्रदेशमे ९ अर्ब २५ करोड ५२ लाख फ्रिज



पहुरा समाचारवाता
धनगढी, २९ असार । बुढनी बट्कोहीसे थारु भाषा संरक्षणमे सहयोग पुगल एक कार्यक्रमके सहभागीहुके बटैले बटै । लोककथामे आधारित इन्डु थारुसे थारु भाषामे लिखित बट्कोही 'बुढनी'के शनिचरके रोज धनगढीमे हुइल समिक्षा (विमर्ष) कार्यक्रममे सहभागीहुके टिप्पणी करटी यी किताबमे हेरैटी रहल लोककथा ओ लोप हुइटी थारु भाषा, शब्दके संरक्षणमे सहयोग पुगल बटाइल रहिट । थारु कल्याणकारिणी सभा कञ्चनपुरके सभापति सुनिता चौधरी (सानु) बुढनी बट्कोहीमे एक ठो सघर्षशिल जन्नी मनैने कथा जोरल बटैली । उहाँ कहली, "एक ठो डाई मनै आपन लकापकां, परिवारमे कौनो विपट नाआए कना चिज समेटल बा ।" यकर संगसंगे हमार पुर्खनके बोल्ना थारु

शब्द लिखल प्रयोग कैगल बा जौन अब्बेक लौवा पिढी विस्त्राई लागल बटै । उ बुढनी बट्कोहीमे थारु समुदायसे बेल्ना रुखा बरिखा, चिरैचुरडगन, किराकाँटीनके नाउँ उल्लेखसे हमार भाषा मौलिक शब्दके संरक्षणमे सहयोग पुगल सभापति सानु बटैली । जानकी गाउँपालिकाके अध्यक्ष गणेश चौधरी अब्बे लोककथामे आधारित बट्कोही सुन्ना ओ सुनुइया मनैने कम हुइटी गैल बटैली । उहाँ कहलै, "यी किताबके खोलमे उल्लेख हुइल थारु समुदायसे मनाजैना अष्टिमकी चित्र हठिया, घोरुवा, हर्ना, मञ्जोर, पाँच पण्डव, चिरैयाके चित्र, थारु नाउँ जोरल बुढनी बट्कोही थारु समुदायके पहिचान भलकल बा ।" उहाँ कहलै, "किताव पढाइयाहुकनके संख्या घटटी गैल बा । मने मै यी किताव

पहेबेर थारु समुदायसे बेल्सना मौलिक भाषा, शब्द पैनु । पहिले पहिले थारु समुदायहुके ज्ञानगुनके रुपमे लेजैना बट्कोही सुनाइल, मै यम्ने उहे इतिहासके उल्लेख हुइल पैनु ।" ओस्टेक, करके बुढनीके समीक्षा करटी बाँधुराम हरडिउलाकुशमी हेरैटी रहल लोककथाहे जिवान्त रख्ना सहयोग पुगल बटैली । यी बट्कोहीसे जन्नी मनै शसक्त हुई परठ कना सन्देश डेहलके बटैली । कार्यक्रममे बाटचित घरके जन्नी सशक्तीकरण संयोजक गीता चौधरी, रानाथारु डटकमके सम्पादक नन्दलाल राना, डा. सुमन चौधरी, सुप साहित्य समाजके सचिव गणेश नेपाली, रजनी चौधरी, पार्वती चौधरी, फुलमति महतो, थारु कलाकार राज चौधरी, थारु बुद्धिजीवी रामदास चौधरी, रेखाकुमारी

चौधरीलगायत बुढनी बट्कोहीके बारेमे आपन धारणा राखल रहिट । लोककथामे आधारित थारु भाषामे लिखित बुढनी बट्कोही लिखुइया इन्डु थारु बुढनी बट्कोही कार्पनिक रहल मने थारु समुदायके जन्नी मनैने भोगल परिस्थितिमे आधारित कथासे जोरल बटैली । उहाँ कहली, "यी कथामे थारु समुदायके बेल्सना ढेर मौलिक शब्दके प्रयोग हुइल बा । जौन अब्बे हेरैटी गैल बा । अब्बेक पिढी उ शब्दके प्रयोग नैकरल भेटल बा । बट्कोहीमे एक ठो जन्नी मनैनेक सघर्षके कथासे जोरल बा ।" किताव प्रकाशनके क्रममे ढेर जानेक सहयोग पाइल ओरसे उहाँ सक्कु जनहनहे धन्यावादफे ज्ञापन करली । बुढनी बट्कोहीके कृष्ण अंश अइन बा, "काहे अट्टा ढेउर भाट पकड़ो डाई ?" बुढनी एक बिहान पुछल । "जब टोहार बाबा अइहिं, उ महाभुखाइल रहिहिं, उ डोब्बर खइहिं," डाई कहलिस् । मने रात बिजाए ओ बिहान होजाए बाबा घुमके नै आइल । डाई उ खाना फेन ढिकाइ । जब जब बुढनी कौरा मुँहम डारे, बुढनीक, सौँच बहँटि जाइस् । खाइबेर हर कौरक मिठास, बाबक सौँचसे फिक्कल हुजाइस् । बाहरके दुनियाँ ओकर धरेम सुखढाम खल्भन्वा उले रहे ।

कार्यक्रमके घरगोस्या थारु बुद्धिजीवी ठाकुर प्रसाद करिया प्रधान स्वागत करल रहिट कलेसे संचालन माधव थारु करल रहिट । बुढनीके समिक्षा कार्यक्रममे थारु बुद्धिजीवी, थारु कलाकार, थारु साहित्यकार, यूवा, विद्यार्थीनके सहभागिता रहे । कार्यक्रमके घरगोस्या थारु बुद्धिजीवी ठाकुर प्रसाद करिया प्रधान स्वागत करल रहिट कलेसे संचालन माधव थारु करल रहिट । बुढनीके समिक्षा कार्यक्रममे थारु बुद्धिजीवी, थारु कलाकार, थारु साहित्यकार, यूवा, विद्यार्थीनके सहभागिता रहे ।



पहुरा समाचारवाता
धनगढी, २८ असार । सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकारसे चालु आर्थिक बरस २०८१/८२ के लाग लानल ३०.३४ प्रतिशत बजेट फ्रिज हुइल बा । प्रदेश सरकारके कुल चालु ओ पुँजीगत खर्चके लाग ३१ अर्ब ५३ करोड ६६ लाखके बजेट लानल रहे । जौनमध्ये सरकारसे २२ अर्ब २८ करोड १३ लाख रुपैयाँ किल खर्च करे सेकल बा । प्रदेश लेखा नियन्त्रक कार्यालय धनगढीके अनुसार चालु खर्चतर्फ ७६.८१ प्रतिशत ओ पुँजीगत खर्चतर्फ ६६.५० प्रतिशत बजेट किल खर्च हुइल बा । प्रमुख लेखा नियन्त्रक बासुदेव जोशीके अनुसार पुँजीगत ओरके १८ अर्ब ७५ करोड ५९ लाख बजेटमध्ये १२ अर्ब ४७ करोड २७ लाख रुपैयाँ खर्च हुइल बा । चालु खर्चओरके १२ अर्ब ७७ करोड ६ लाख बजेटमध्ये ९ अर्ब ८० करोड ८५ लाख रुपैयाँ खर्च हुइल बा । ओहकान अनुसार करिब ९ अर्ब २५ करोड ५२ लाख रुपैयाँ बजेट खर्च नैहोके फ्रिज हुइल बा । मन्त्रालयगत हिसाबसे सामाजिक विकास मन्त्रालयसे सबसे मजा खर्च प्रगति ७५.९ डेखैले बा । यी मन्त्रालय

विनियोजित ६ अर्ब ४४ करोडमध्ये ४ अर्ब ८९ करोड खर्च करल हो । डोसर स्थानमे उद्योग, पर्यटन, वन तथा वातावरण मन्त्रालय रहल बा, जौन १ अर्ब ९१ करोडमध्ये १ अर्ब ४० करोड रुपैयाँ खर्च कैटी ७३.१ प्रतिशत प्रगति करले बा । भूमि व्यवस्था, कृषि तथा सहकारी मन्त्रालयसे २ अर्ब ७५ करोडमध्ये १ अर्ब ८६ करोड खर्च कैटी ६७.७ प्रतिशत प्रगति करले बा । भौतिक पूर्वाधार विकास मन्त्रालयसे सबसे ढेर १४ अर्ब ९० करोड बजेट विनियोजन पाइल रहे, मने उ मन्त्रालय १० अर्ब ३९ करोड १० लाख किल खर्च कैटी ६९.७ प्रतिशत प्रगति करले बा । आन्तरिक मामिला तथा कानून मन्त्रालयके खर्च स्थिति भर सबसे निराशाजनक रहल बटाइल बा । मुख्यमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद् कार्यालयसे विनियोजित ३१ करोड २२ लाखमध्ये २० करोड ७८ लाख रुपैयाँ खर्च कैके ६६.५ प्रतिशत खर्च प्रगति करले बा । आर्थिक मामिला मन्त्रालय २० करोड ६२ लाख बजेटमध्ये १३ करोड ९९ लाख खर्च कैटी ६७.८ प्रतिशत प्रगति करले बा ।

घँट्ठरु बेचके वार्षिक १२ लाख आम्दानी



पहुरा समाचारवाता
धनगढी, २८ असार । यहाँके धनगढी उपमहानगरपालिका-११ बाँसखेडाके परशुरामरायण चौधरी विगत १४ बरससे व्यावसायिक सुवर (बंगुर) पालन कैटी आइल बटै । चौधरीके फार्ममे हाल सुरासुवनीया सहित २७ सुवर रहल बटै । उहाँके फार्मसे वार्षिक रु ३० लाख बराबरके घँट्ठरु बिक्री हुइतै ।

खर्च कटाके औसतमे वार्षिक रु १२ लाख आम्दानी हुइना करल उहाँ जानकारी डेलै । व्यवसाय फस्टैटी गैलपाछे आम्दानी फेन मजा हुइ लागल उहाँ बटैली । घँट्ठरु बहाके बिक्री कैना उमेर पुना करिब एक महिना लाग् । एकठो घँट्ठा वा घँट्या रु छ हजारमे बिक्री हुइना करतै । सुवर पालनसे करल कमाइसे उहाँ

गाउँमे ईटाभट्टा ओ मसला उद्योग सञ्चालन करले बटै । "सुवरपालन मजा हुइल बा," उहाँ कहलै, "यी व्यवसायके कारोबार बहूटी गैल ओ फाइदा हुइटी गैल, अब्बे गाउँमे ईटाभट्टा ओ मसला उद्योग सञ्चालन करले बटु, जिहिसे घर परिवारके सदस्य काम पैले बटै ।" चौधरी धनगढीस्थित भेटेरिनरी अस्पताल तथा पशु सेवा विज्ञ केन्द्रसे इहे बरस रु ९० हजार अनुदान प्राप्त करले बटै । अनुदान रकमसे व्यवसाय कैना आउर सहज हुइल उहाँ बटैली । उहाँ सफल कृषकके रुपमे समेत पुरस्कृत होसेकल बटै । सुरुके बरसमे मासु बिक्री करल उहाँ मासुके लाग बजार नैपाइलपाछे सुरीक बच्चा बिक्री करे लागल बटैली । किसानहे व्यवसाय सहजताके लाग सरकारी तवरसे कोल्डस्टोर, बधशाला स्थापना कैडेलेसे आउर सहज हुइना उहाँके कहाइ रहल बा ।

भर्ना खुल्यो ! भर्ना खुल्यो !! भर्ना खुल्यो !!!

शैक्षिक सत्र २०८२/०८३ का लागि कक्षा ११ मा नयाँ भर्ता प्रारम्भ भएको व्यहोरा सम्पूर्ण विद्यार्थी एवं अभिभावक वर्गमा सहर्ष जानकारी गराउन चाहन्छौं ।

यस विद्यालयमा पठनपाठन गराइने विषयहरू (संकाय):

- विज्ञान (Science) (१००% छात्रवृत्ति विज्ञान शिक्षा प्रवर्द्धन कार्यक्रम)
- कानून
- मानविकी
- सिनिल इन्जिनियरिङ (९-१२)
- व्यवस्थापन (अंग्रेजी र नेपाली माध्यम)
- शिक्षा

हाम्रा विशेषताहरू

- विज्ञान विषय अध्ययन गर्ने सम्पूर्ण विद्यार्थीहरूलाई १००% छात्रवृत्ति र अन्य विषय अध्ययन गर्ने नेहेन्दार विद्यार्थीहरूलाई पनि छात्रवृत्तिको व्यवस्था भएको ।
- अत्याधुनिक कक्षाकोठा भएको ३६ कोठे भवन ।
- टाढा-टाढाका विद्यार्थीहरूका लागि आफ्नै स्कूल बसको सुविधा भएको ।
- योग्य, दक्ष एवम् जानुभवी अध्यापकहरूद्वारा अध्यापन गराइने ।
- स्मार्ट बोर्ड/प्रोजेक्टरका माध्यमबाट अध्ययन अध्यापनको सुविधा भएको ।
- स्वच्छ, शान्त एवम् विशुद्ध शैक्षिक वातावरण ।
- विज्ञान प्रयोगशाला र कम्प्युटर ल्याबको राम्रो व्यवस्था भएको ।
- प्रशस्त मात्रामा सन्दर्भ पुस्तकहरू भएको पुस्तकालयको व्यवस्था ।
- विद्यार्थी प्रगति मूल्यांकनका निमित्त आवधिक परीक्षाको व्यवस्था ।
- शुद्ध पिउने पानीको व्यवस्था भएको (तातो, चिसो र नर्मल) ।
- विज्ञान संकायको लागि अतिरिक्त कक्षा, सम्पूर्ण पाठ्यपुस्तकहरू विद्यालयबाटै उपलब्ध गराइने र देशका विभिन्न ठाउँहरूमा निःशुल्क शैक्षिक अवलोकन भ्रमण गराइने ।

श्री धनगढी नमूना प्राविधिक माध्यमिक विद्यालय
धनगढी उपमहानगरपालिका-८, कैलाली, फोन नं. ०९१-५९५१२६, मो. ९८४८४२०१४५, ९८५८४१०११७

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित

सठपाढक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)

कार्यकारी सठपाढक : राम दह्रि (९८४८४९४५१८)

भाषा सल्लाहकार : दिलबहादुर चौधरी

पहुँचा सठपाढक : कृष्णराज सर्वहारी

कागज़ी सल्लाहकार : अधिवक्ता जोहारीलाल चौधरी

व्यवस्थापन सल्लाहकार : राजकुमार चौधरी

प्रधान कार्यालय: धन.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)

मसुरिया शाखा: दिनेश दह्रि (९८२६४९६०१)

हसुलिया शाखा: नरेन्द्र चौधरी (९८८५४३०३६)

पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)

प्रधान कार्यालय धनगढी

E-mail: dailypahura@gmail.com,

Website: pahura.com

मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

बारहके त्राससे त्रिपालटर बास



कञ्चनपुर, २८ असार । कञ्चनपुरके शुक्लाफाँटा नगरपालिका-१२ लठ्ठागौरीस्थित वनहरा लडिया क्षेत्रके बासिन्दा वर्षेनी अडना बारहके त्राससे वर्षात सुरु हुइनासाथ बन्वा क्षेत्रमे त्रिपाल टाँगके बैठना बाध्य हुइल बटै ।

टेकबहादुर सलामी थापा मगर विगत सात बरससे वर्षात सुरु हुइटी किल लगेक सामुदायिक बन्वामे त्रिपाल टाँगके परिवारसहित बैठटी आइल बटै । बारहसे घर डुबैना हुइल ओरसे उहाँ खाद्यान्न, ओहँना-बिछैना सामान, बालबालिका ओ चौपाया लेके समयमे सुरक्षित स्थान ओर जैठै ।

ओहकान प्रारम्भिक थातथलो डोटीके जोरायलमे पहिरोसे पुहाइलपाछे कञ्चनपुर आइल हुइट । ‘घर पहिरोसे पुहाइलपाछे हमे पूर्ण रूपमे घरवारविहीन हुइली,’ उहाँ कहलै, ‘जहाँ मजदुरी मिलल, ओहँ बैठली, ओहे क्रममे यहाँ अइली ओ बैठे लगली ।’

उहाँ लडिया किनारमे जग्गा किल ओरसे बारहसे पिछा करे नैछोरल हो । “कम जमिन किन्ली, मने यहाँ फेन लडिया वर्षेनी सटाइठ,” उहाँ कहलै, “ओहमारे वर्षात सुरु हुइटी किल बन्वा क्षेत्रमे सरे परठ ।” परिवार पालक लाग उहाँ ओ ओहकान गोसिनीया मजदुरीमे निर्भर बटै । दैनिक मजदुरीसे घरखर्च जेनतेन चलल उहाँके कहाइ रहल बा ।

टेकबहादुर किल नैहोके, उहे बस्तीके थप छ परिवार फेन अस्टहे अवस्थामे बटै । सक्कु जाने वर्षात सुरु हुइनासे आघे बन्वामे सरके अस्थायी त्रिपालमे बैठना बाध्य बटै । डडेल्धुराके

आलितालसे विस्थापित होके आइल सितादेवी बोहरा फेन वनहरा लडिया किनारमे बैठटी आइल बटी । पहाडके घरजग्गा पहिरोसे पुहाइलपाछे ओहकान परिवार यहाँ बैठना बाध्य हुइल हो । ‘यहाँ बैठे लागल रलेसे फेन बारहसे हैरान बनैले बा,’ उहाँ कहली, ‘तीन बरस आघे टे बारहसे घरभिट्टरक खाद्यान्नसे छेप्रीभँरी, गोखस पुहाके लैगिल रहे ।’

अब्बे फेन आकाशमे करिया बढी डेखटी किल उहाँहुँके डराइ लठै । ‘लडियामे बारह अडना चिन्तासे घर छोरके बन्वाओर लागे परठ,’ उहाँ कहली । स्थानीय राजुराम लुहार फेन घर छोरके बन्वाओर जैना तयारी अवस्थामे बटै । “चुरे क्षेत्रमे पानी परल कि लडियाके बारह घरसम आइठ,” उहाँ कहली, “घरमे बैठना जोखिम लेहे नैसेकजाइठ ।”

बारह नैआइल बेला उहाँहुँके घरमे जाके दैनिक काम करठै । बोट विरवा स्याहना, घर लिपपोत कैना मने रात बैठे भर बन्वामे जैठै । विगत बरस वडा कार्यालयसे त्रिपाल वितरण करल रहे । उ त्रिपाल फाटलपाछे यी बरस वडा कार्यालयसे सात परिवारके लाग फलामके पाइप ओ प्लास्टिकके छानायुक्त अस्थायी आवास निर्माण करडैहल वडाध्यक्ष नवलसिंह राना जानकारी डेलै । “उ परिवार असुरक्षित रूपमे बन्वामे बैठना बाध्य रहिठ” उहाँ कहलै, “आब भर कूठ हवसम सुरक्षित ओ व्यवस्थित रूपमे बैठे सेक्ना व्यवस्था मिलाइल बा, जट्टरा वर्षा हुइलेसे फेन हुककसँग बैठे सेक्ही ।”

खर्क नीति संशोधनके प्रतीक्षा

हिमाली, पहाडी ओ चुरे क्षेत्रमे जन्मलहुकल खाइलखेलहे ‘खर्क’ कना शब्द नौलो नैहो अर्थात् खर्क कना शब्द यी भौगोलिक क्षेत्रमे बैठुइनके लाग दैनिक जीवनसँग जोरल विषय हो । खर्क हिमाली, पहाडी ओ चुरे क्षेत्रके बासिन्दाके जीवनयापनके आधार फेन हो । गैया, भैंस, बाखालगायत चौपाय लागके चरैना ओ कुछ ठाउँमे टे पशुपालनके लाग गोठसमेत रहल ठाउँ खर्क हो । खर्क कना शब्दसे हिमाली, पहाडी, चुरे क्षेत्रके उच्चस्थानमे रहल हरियर चाकल डाँडा, मैदान, डोल, चौरसमेतहे परिचित कराइठ । नेपाली शब्द कोषमे खर्क कलेक गाईवस्तुके गोठ ढरना ओ ओइनहे चराइक लाग रहल बाँध रैकर जग्गा कना परिभाषित करल बा ।

आममनैके जीवनसँग जोरल खर्कके महत्व ओ उपादेयताहे मनन कैके नेपाल सरकार खर्कके स्तरोन्नति कैके उत्पादकत्व वृद्धि करना, खर्कमे आधारित उद्यम व्यवसायके विकास एवं विस्तार करना, खर्कके जैविक विविधताके संरक्षण, संवर्धन एवं दिगो ओ वैज्ञानिक उपयोग कैके पर्यावरणीय सन्तुलन कायम करना सहयोग पुगैना उद्देश्यसे सरकार खर्क नीति २०६८ तयार कैके ओहे सालके चैत २८ गते स्वीकृत करले रहे । आज हम्रासँग रहल खर्क वातावरणीय प्रभाव, मनै तथा पशुके बहल चाप, प्राकृतिक प्रकोप तथा अवैज्ञानिक विकास योजनालागायतसे संकटमे जैनाओर उद्यत डेखाइठ कलेसे जोन उद्देश्यसे नीति नानल रहे तदनुरूप प्रगति हुइल आभास हुइ सेकल नैहो ।

खर्कके स्थितिके सम्बन्धमे उ नीतिमे कहल बा, देशभित्तरके संरक्षित क्षेत्रमे रहल कुल खर्कके करिब २७ प्रतिशत भूभाग समेत निकुञ्ज आसपासके समुदाय, अव्यवस्थित चरिचरन ओ बहल पर्यटन व्यवसायके कारण जोखिममे बा । विषम भौगोलिक अवस्थिति, कमजोर व्यवस्थापन, मनै तथा पशुके बहल चापके कारण खर्कके अवस्था दिनान्दिन खस्कल बा । खर्कमे उत्पादन हुइना घांसमध्ये केवल ३७ प्रतिशत किल पशुसे उपयोग करे पाइल बा । स्थानीय समुदाय अपन पशु खर्कमे सामूहिक रूपमे चरिचरन करैलेसे फेन खर्कके स्वामित्व सरकारमे रहल मने उपभोग स्थानीय समुदायसे हुइना करल ओरसे खर्क व्यवस्थापनके अन्योल कायम बा ।

नीतिसे आँल्याइल चुनौती तथा समस्या सम्बन्धमे कहल बा, बहल जनसंख्या, भूक्षय, अव्यवस्थित चरिचरन, डढेलो ओ खोरिया फाँडानीके कारण खास कैके हिमाली क्षेत्रमे अवस्थित जैविक विविधतामे एकडम क्षति पुगल बा कलेसे खर्कके क्षेत्रफल तथा उत्पादन फेन क्रमिक रूपमे घटल बा । खर्क व्यवस्थापनमे परम्परागत संस्था, विधि ओ तौरतरिका मासल तथा वैज्ञानिक विधि ओ प्रक्रिया अवलम्बन नैहुइल अवस्थामे ओकर दिगो व्यवस्थापन एकडम चुनौतीपूर्ण डेखाइल बा । जलवायु परिवर्तनके कारण विश्व तापमानके वृद्धिसे हुइटरहल असरसे खर्कके उत्पादन तथा उत्पादकत्वमे हास आइल बा । खर्कके विषम अवस्थिति,

खर्क व्यवस्थापनके लाग स्रोत अभाव, खर्कजन्य स्रोतके अनियन्त्रित दोहन, खर्कके व्यवस्थापन स्वामित्वके अस्पष्टता, खर्क व्यवस्थापनसम्बन्धी प्रविधि विकास तथा प्रसारके सीमितता, खर्क विकास राष्ट्रिय प्राथमिकतामे नैपरना, खर्क विकासमे सम्बद्ध समुदाय एवं सरोकारवालाके संस्थागत सञ्जालके अभाव रहल नीतिमे आँल्याइल बा ।

नेपालके करिब ३३ लाख हेक्टर चरनयोग्य भूमिमध्ये झन्डे ८० प्रतिशत भूमि गण्डकी, कर्णाली ओ सुदूरपश्चिम प्रदेशके हिमाली जिल्लामे (गोर्खा, मनाङ, मुस्ताङ, डोल्पा, जुम्ला, मुगु, हुम्ला, बझाङ, बाजुरा, दार्चुला आदि) फैलल बा । यी भूमि कलेक खर्क क्षेत्र हो । यहाँके स्थानीय समुदाय परम्परागत रूपमे

मन्त्रालय (कृषि, वन, उद्योग, पर्यटन, नागरिक उड्डयन) तथा व्यवसायी ओ कृषकबिच नीति समन्वयके स्पष्ट संयन्त्रके अभाव डेखाइठ ।

उपरोक्त समस्या चिरटि विद्यमान खर्कके उचित व्यवस्थापन ओ निजी क्षेत्रसँग सहकार्य कैके यकर सही सदुपयोग करे सेक्लेसे सिंगो मुलुक लाभान्वित हुइ सेकि । आमनेपालीके जीवनयापन उपर उठे सेकि । मुलुकके लाग यी अवसर फेन हो । खर्कके उचित उपभोग करे सेक्लेसे पस्मिना, ऊन, छुपीं, मल, छाला, अर्गानिक बाली जैसिन स्याउ, फापर, आलु, सिमी, उवा आदिके मजा उत्पादन करे सेक्ना प्रशस्त सम्भावना बा । यी वस्तुके आन्तरिक खपतके साथे अन्तर्राष्ट्रिय बजार फेन एकडम भारी बा ।

च्यांग्रा जोन अवधारणा केवल चरन भूमि व्यवस्थापन नैहो-राष्ट्रिय उत्पादन, आत्मनिर्भरता, निर्यात वृद्धि ओ व्यापार घाटा न्यूनीकरणके ऐतिहासिक अवसर फेन हो । सरकार, निजी क्षेत्र ओ समुदायबिचके समन्वयमे आधारित १० बर्से कार्य योजना, एक पालिका-एक केन्द्र तथा उच्च हिमाली क्षेत्रहे प्राथमिकतामे ढरना नीति अवलम्बन करना कलेक वार्षिक १० अर्बके आयात प्रतिस्थापन हुइल बा । पाँच वर्षभित्रे १०० अर्बके निर्यात सम्भावना डेखाइठ । रोजगारी सिर्जना, युवा उद्यम वृद्धि करे सेक्जाइ । पशुजन्य मल ओ अर्गानिक बाली विस्तारके अवसरके साथे फार्म टु फाइबर टु फेसन राष्ट्रिय पहिचानके स्थापना करे सेक्ना बलगर सम्भावना बा । यिहिनसे खर्कके सही संरक्षण ओ सदुपयोगमार्फत सिंगो मुलुक लाभान्वित हुइ सेकि । नेपालके बहुमूल्य स्रोतसाधन खर्कमे मिल्लेसे फेन उचित व्यवस्थापन हुइ नैसेक्के फेन अनुसारके आम्दानी लेहे सेकल नैहो ।

भेडा, च्यांग्रा, याक ओ चौँरी पालनमे आधारित बा । यिहे पशुसे प्राप्त हुइना ऊन, पस्मिना, छुपीं, मासु, मल, छाला आदि उत्पादनहे प्रयोग कैके नेपालमे उच्चस्तरीय वस्त्र पस्मिना, गलैँचा, फेल्ट तथा तयारी पोसाक उत्पादन हुइटि आइल बा । हालके कृषि प्रणाली अभिन निर्वाहमुखी बा । प्रविधि ओ बजारमैत्री नैहुइल ओ व्यावसायिक रूपान्तरणमे ढिलाइ हुइल बा । समग्रमे से सरकारके खर्क नीति २०६८ कार्यान्वयनमे कमजोर देखाइल बा । नीतिमे निजी क्षेत्रसँगके सहकार्य अपर्याप्त रहल ठम्याइ यीसँग जोरल निजी क्षेत्रके बा ।

यकर समस्या विश्लेषण करलेसे मूलतः चरनयोग्य भूमि (खर्क) टमान निकाय-निकुञ्ज, सामुदायिक वन, पर्यटन, भूगर्भ तथा खानी, उड्डयन, उद्योग, कृषि, उड्डयन आदि अन्तर्गत परल कारण पशुपालक तथा व्यवसायीके निर्वाध पहुँच अवरुद्ध हुइल बा । नीति कार्यान्वयन करना संस्थागत संरचना, जिम्मेवारी, तथा तालमेल संयन्त्रके अभाव बा । बजार ग्यारेन्टी, मूल्य शृंखला, वित्तीय पहुँच, बिमा, प्रविधि, विज्ञ जनशक्ति, गोठालो व्यवस्थापन, तालिम आदि संरचना अभिन स्थापना हुइल नैहो । तीन तहके सरकार, चार, पाँच

खर्कमे पशुपालनहे उच्च प्राथमिकता लेके च्यांग्रा भेडा पालन करना ओ उहिनसे उत्पादन हुइना ऊन पस्मिना, गलैँचा, फेल्ट, स्विटर, पोसाक उद्योगके लाग कच्चा पदार्थ हुइना ओ व्यवसायी उ कच्चा पदार्थ खरिदके लाग आपसी सहमती कैके आगे बहना तयार बा । नेपालमे बर्सेनि ४० अर्बसे ढेरके पस्मिना तथा ऊनी उत्पादन तथा ओइनके कच्चा पदार्थ आयात हुइना करलमे उहिनहे प्रतिस्थापन कैके आत्मनिर्भरता कायम करना सहयोग पुगल बा । समग्रमे कृषि पर्यटन ओ हिमाली जीवनशैलीके प्रवर्धनसहित खेतसे धागा, धागासे फेसनसम ‘फार्म टु फाइबर टु फेसन’ अवधारणा कार्यान्वयन करे सेक्ना भारी सम्भावना बा ।

खर्क नीति आइल फेन लम्मा समय हुइल । अब्बे मुलुकमे तीन तहके सरकार बा । खर्क नीति नेपालके नयाँ संविधान जारीपूर्व आइल हो । अब्बे संविधानत तीन तहके सरकार बा ओ एकऔरेबिच समन्वयके अभाव बा । जेकर कारण उ नीतिसे हमार सम्भाव्यता ओ समर्थकके उचित उपयोगमार्फत लाभ उठाइ सेकल नैहो । निजी क्षेत्रसे खर्क नीति २०६८ हे समयानुकूल संशोधन करेपरना बाटहे निरन्तर रूपमे उठैटि आइल बा । हाल

विचार विदुरचन्द्र लामिछाने धनप्रसाद लामिछाने

विद्यमान खर्क नीति २०६८ संशोधन कैके उ नीतिहे प्रभावकारी रूपमे कार्यान्वयनमे लैजैना ओ उहिनसे मुलुकसे उचित लाभ उठैना निजी क्षेत्रके कुछ सुभाव रहल बा । यिहिनहे यथाशीघ्र संशोधनके प्रक्रियामे आगे बहाइपरना जोड निजी क्षेत्रके बा ।

खर्क नीतिहे जीवन्त बनैना कुछ विषय यम्मे थप करेपरना राय निजी क्षेत्रके बा । जैसिन नीतिमे च्यांग्रा जोन घोषणा ओ पकेट क्षेत्र विकास करना बाट समावेश करेपरना ओ उ अन्तर्गत मनाङ, मुस्ताङ, डोल्पा, मुगु, जुम्ला, हुम्ला, बझाङ, बाजुरा, दार्चुलालगायतके जिल्लाहे ‘च्यांग्रा जोन’ घोषणा कैके विशेष नीति, योजना, लगानी ओ पूर्वाधार विकासमे प्राथमिकता डेहेपरना सुभाव बा । अइसिन क्षेत्रमे पशुपालकके लाग घुम्ती गोठ, चरन पथ सुधार, घाँस खेती, सिँचाइ, हिउँदे घाँस/दानाके ढुवानी सहजीकरण, प्राकृतिक बालीके खेती (स्याउ, उवा, सिमी, फापर) सँग पशुपालनके एकीकृत कार्यक्रम नन्ना आवश्यक बा । अइसिन हुइ कलेसे खर्क क्षेत्र ओ आसपास बैठना मनै पशुपालनओर आकर्षित कराके उहिनसे उहाँहुकनके आयआर्जन ओ रोजगारी प्राप्तिये फेन सहयोग पुगि ।

उपेक सुभावहे थप प्रभावकारी बनैना ओ स्थानीय जनताहे पशुपालनमे आकर्षित करना एक पालिका, एक साभ्ना सुविधा केन्द्र (कमन फेसिलीटी सेन्टर) खडा कैके ओहे केन्द्रमार्फत पशु प्रजनन, आहार व्यवस्थापन, औषधी, उपचार, पशु बिमा, गोठालो व्यवस्थापन, तालिम, प्याकेजिड, मूल्य परीक्षण, ब्रान्डिड, बजार ग्यारेन्टी प्रणाली सुविधा डेना आवश्यक बा । औरे पशु बैंक कार्यक्रम समावेश करना उहिनसे उन्नत जातके च्यांग्रा/भेडा वितरण करना, डिजिटल टर्माकिड प्रणाली कायम करना, निःशुल्क उपचार सेवा, प्राविधिक सहयोग उपलब्ध करैना विषय नयाँ नीतिमे समावेश करेपरना सुभाव निजी क्षेत्रके बा ।

अत्याधुनिक मिल ओ प्रशोधन केन्द्र स्थापनाके व्यवस्था करना, सदरमुकाम ओ काठमाडौंमे स्पिनडि, डाइड, फिनिसिड, टेस्टिड, उत्पादन, उत्पादन मूल्य शृंखलाहे स्वदेशमे पूर्णता डेना, उत्पादनहे हिमालयन च्यांग्रा पस्मिना ब्रान्ड अन्तर्गत निर्यात प्रवर्धन आदि सेवा डेना अत्याधुनिक मिल स्थापना करेपरना सुभाव बा । औरे वित्तीय पहुँच ओ सहूलियत अन्तर्गत सहूलियतपूर्ण कृषि/पशुपालन कर्जा, पशु तथा गोठालो बिमा कार्यक्रम, सिप विकास तालिम, नवप्रवर्तन अनुदानके व्यवस्था करे परठ । सार्वजनिक-निजी सहकार्य संयन्त्र अन्तर्गत निजी उद्योग पस्मिना, गलैँचा, फेल्ट, स्विटर आदिसँग सहकार्य सहमति कैके बजार ग्यारेन्टी डेना, सरकार, उद्योगी, सहकारी ओ कृषकबिच (बाँकी ३ पेजमे)

दक्ष चालक बना सक्कु सैद्धान्तिक तथा व्यवहारिक ज्ञान देना प्रयास हमार, सफलता अपनैके ।

सीप सिकी, स्वरोजगार बनी विद्यार्थी ओ ग्रुपमे अउरियाहुकनहे विशेष छुटसहित... हमार यहाँ दक्ष प्रशिक्षकहुकनसे मोटर साईकल, स्कुटी, कार, जीप ग्यारेन्टीके साथ डाईभिड सिखैनाके साथे फोटोग्राफीके सुविधा समेत उपलब्ध बा ।

नोट: साथे दुरसे अउरिया विद्यार्थीनके लाग बैठना व्यवस्था समेत उपलब्ध बा । समयमे सक्कु सिकाए विद्यार्थीहुकनहे समयकै कैना सहर्ष जानकारी कराइटी ।

धनगढी, चटकपुर कैलाली फोन. ०९१-४९०२३७ मो.९८४८४३९६८५

पाठकवर्गसे अनुरोध

प्रिय पाठकवर्ग, पहुरा मिडिया प्रालिसे सन्चालित पहुरा दैनिक ओ पहुरा अनलाइनमे हमार सकेसम थारुपन लन्ना कोशिश जारी बा । विचार पेजमे थारु लगायट अन्य जनजातिनके आवाज हमार पहिला प्राथमिकता हो । अपन मनमे लागल उकुसमुकुस बाट अपननेके फे लिख्के पठाइ सेकि । अपनके विचार लम्मा हुइ परठ कना नइ हो । आइ कलम पक्ति, अपन मनक बाट ढेरसे ढेन जनहन बाँटि । पहुरा अनलाइनमार्फत अपन बाट संसार भर पुगाइ ।

-सम्पादक

जरूरी टेलिफोनके प्रायोजक:

हमार यहाँ बौदलर मूर्गानेके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहवी ।

नोट : भोजविहा, व्रतबन्धके लाग होम उतिभरीके सुविधा बा ।

प्रो.रमेश चौधरी केभी मासु पसल

बेयाबेहडी चौक, धनगढी कैलाली शाद उर्मावि लगे मो. ९८११६३५६८०

एक्जुलेन्स नवबर् ९८२४६८९६१७, ९८२४६८९७०९८, ९८१४६८०८०५६, ९८१४६८०००६८, ९८१४६८६०२८५

प्रहरी अञ्चल प्रहरी कार्यालय ०९१- ४२९३०१ जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-४२९१५०,१०० वडा प्रहरी कार्यालय ०९१-४२९६९९,११०

नेपाल अतरीया ०९१-४५०१२२ त्रिनागर प्रहरी चौकी ०९१-४२९१८३ जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-४२९१५३

नेपाला मसुरिया ०९१-४०२०१४

नेपाला चौमाला ०९१-६९२५०९

नेपाला लम्की ०९१-४७०१९९

नेपाला भजनी ०९१-४८०१९९

नेपाला सुखुड ०९१-४२९१६६

नेपाला मालाखेती ०९१-४५०१२२

नेपाला फल्गुरे ०९१-६९०३३०

नेपाला हसुलिया ०९१-४२९१५४

नेपाला पाण्डेन ०९१-४७९०१४०४

नेपाला प्रहरी चौकी बहुलिया ०९१-४२९२०६

नेपाला टीकापुर ०९१-४६०१९९

नेपाला स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ४२६९२८

नेपाल राष्ट्र बैंक ०९१-२९३२२ नवजिवन बैंक ०९१-४२३६५३

कृषि विकास बैंक ०९१-४२९२३५

मालिका विकास बैंक ०९१-४२९७३८

बैंक आफ काठमाण्डौ ०९१-४२३३८६

बैंक आफ एशिया ०९१-४२५६५०

नेपाल बलादेश बैंक ०९१-४२९७८५ सिटिजन बैंक ०९१-४२७८८५

कुमारी बैंक ०९१-४२६०३८

सलार्डिज बैंक ०९१-४२७८५०

नेपाल इन्नेसमेन्ट बैंक ०९१-४२३७०६

एनएमडी बैंक लि.०९१-४२९२९६

सरकारी कार्यालय जिल्ला प्रशासन .०९१-४२९१०१

जिल्ला विकास .०९१-४३२५६०

नगरपालिका .०९१-४२९४२९

मालपोत.०९१-४२९२०१, नापी शाखा.०९१-४६०८०२

कृषि विकास .०९१-४२२६५५, भूमि सुधार.०९१-४२९२२४

जिल्ला हुलाक.०९१-४२९१५२, नेपाल बाल संगठन: ४२३६६५

अस्पताल सेती अञ्चल.०९१-४२९२७९

नवजिवन ०९१- ४२९२३३/४२९७३३

विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-४२३६३५

पदमा धनगढी ०९१-४७०३५५

सेवा मेडिडि हौम अतरीया ०९१-४५०७९७

एक्जुलेन्स मसुरिया ९७४९०९८०८९

घोडाघोडी अस्पताल सुखड ०९१-६९४७०७

टीकापुर अस्पताल ०९१-४६०१५०

दमकल १०१ नेपाल रेडक्रस सोसाइटी ०९१-४२९३३३

कैलाली उ.वा.संघ ४२९३३७, ४२३९७१

एम्बुलेन्स : ४२९६००

सामुदायिक एम्बुलेन्स सेवा टीकापुर ९८४५५७५७०

विद्युत : ४२९१५४

दिनेश मेडल ०९१-४२९३९२

होटल डिग्री ०९१-४२९१९८/४२९३९१

उज्ज्वल ०९१-४२३५००, विद्या ०९१-४२३२७३

तरुण ०९१-४२६६९३, सलार्डिज ०९१-४२९३६६

वल्ड लिंक धनगढी : ४२०१५१

नालुनाज ०९१-४२२८३०/४२२९०९

नेपाल पत्रकार महासंघ : ४२७१२२

शैक्षिक संस्था कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०९१-४२९२२३

सुदूरपश्चिमाञ्चल क्याम्पस ०९१-४२३९१२

पेरवर्ष बहुमुखी क्याम्पस ०९१-४२९७०९

राजनैतिक पार्टी नेपाली कांग्रेस कार्यालय : ४२७१५४

नेकपा (एमाले) कार्यालय : ४२७१५०

सबर्पाक कागडर धनगढी : ०९१-४२९२५२

एफ.एम. दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ट्ज धनगढी : ०९१-४२६७०१

चिगनी बिक्री नैहोके ह्याचरी उद्योग बन्द

चितवन, २८ असार । मागसे उत्पादन वृद्धि हुइल कटि नेपाल ह्याचरी उद्योग संघसे सोमसारसे एक साताके लाग कुखुराके चिगनी (चल्ला) उत्पादन बन्द करले बा । नेपाल ह्याचरी उद्योग संघके भेलाके निर्णयसे एक साताके लाग बन्द करना निर्णय करल संघके अध्यक्ष ज्ञानबहादुर विसुराल जानकारी डेलै ।

उहा कलै, “उपभोक्ताके मागसे उत्पादन धेर होके खोल्टामे डारेपरना अवस्था आइलपाछे कुछ दिनके लाग देशभर उत्पादन बन्द करना निर्णय करले बटि,” अध्यक्ष विसुराल कलै, “यी समस्या नेपालमे किल नैहोके भारतके उत्तर प्रदेशमे फेन अइसिन अवस्था होके अब्बे बन्द करल बा ।”

असार २९ गतेसमे हप्ते देशभरके ह्याचरी उद्योगसे उत्पादन नैकरि ओकरपाछे अवस्था हेरके कत्रा उत्पादन करना निर्णय करब, उहाँ कलै । चल्ला



उत्पादक किसानसे लागत अनुसार मूल्य नैपाइल जानकारी डेले बा । उत्पादित चल्ला ओ मासुसे मूल्य पाइल नैहो । उहाँ कलै, “माग ओ उत्पादनके सन्तुलन मिलाइलपाछे उत्पादन करटि ।”

अब्बे नेपालमे ८० ठो ह्याचरी उद्योग सञ्चालनमे बा । उमध्ये चितवनमे किल ३५ ठो उद्योग बा । चार वर्ष आगे नेपालमे तीनसय ६० ठो

ह्याचरी उद्योग सञ्चालनमे रहे । अब्बे टमान कारणसे उद्योग बन्द हुइल संघके विसुराल बटैलै ।

संघके अनुसार नेपालभर एक सातामे चालिस लाख ठो चल्ला उत्पादन हुइना करल बा । उमध्ये ४० प्रतिशत उत्पादन चितवनके उद्योग करटि आइल बा । अब्बे नेपालमे ३० लाख ठो चल्ला उत्पादन हुइल बजारके माग पूरा हुइना

करठ । साताके १० लाख ठो चल्ला बिक्री नैहोके खोल्टामे डारेपरना अवस्था आइलपाछे एक हप्ताके लाग बन्द करना बाध्य हुइल उहाँ बटैलै ।

एक चल्ला उत्पादन करना ६० रुपियाँ लागत परठ । मने बजारमे १५ रुपियाँमे बिक्री करना बाध्य हुइपरल बा । उ फेन बिक्री हुइना अवस्था नैहुइलपाछे मागहे सन्तुलन बनैना जरूरी रहल उहाँ बटैलै । संघमे आबद्ध हुइल उद्योग हरेक अँटवार ओ बुधके रोज बोइलर ओ कोइलरके चल्ला उत्पादन करटि आइल रहे ।

छोट उद्योगहे बिक्रीमे समस्या नैरलेसे फेन भारी ह्याचरीहे उत्पादित चल्ला बिक्री करना ज्यादा कठिन हुइना करल संघ जानकारी डेले बा । अण्डा, मासु उत्पादित सामग्री उपभोग करना जनशक्तिके कमी हुइल कारण बिक्री नैहुइल संघ जनैले बा ।

खर्क नीति...

सशक्त संयन्त्र बनाके नीति निर्माणसे कार्यान्वयनसम संयुक्त जिम्मेवारी प्रणाली स्थापित करना सुविधा नीतिमे समेटे परठ ।

च्यांग्रा जोन अवधारणा केवल चरन भूमि व्यवस्थापन नैहो-राष्ट्रिय उत्पादन, आत्मनिर्भरता, निर्यात वृद्धि ओ व्यापार घाटा न्यूनीकरणके ऐतिहासिक अवसर फेन हो । सरकार, निजी क्षेत्र ओ समुदायबिचके समन्वयमे आधारित १० बसें कार्य योजना, ‘एक पालिका-एक केन्द्र’ तथा उच्च हिमाली क्षेत्रहे प्राथमिकतामे ढरना नीति अवलम्बन करना कलेक वार्षिक १० अर्बके आयत प्रतिस्थापन हुइल बा । पाँच वर्षभित्रे १०० अर्बके निर्यात सम्भावना देखाइठ । रोजगारी सिर्जना, युवा उद्यम वृद्धि करे सेक्जाइ । पशुजन्य मल ओ अर्गानिक बाली विस्तारके अवसरके साथे ‘फार्म टु फाइबर टु फेसन’ राष्ट्रिय पहिचानके स्थापना करे सेक्ना बलगर सम्भावना बा । यिहिनसे खर्कके सही संरक्षण ओ सदुपयोगमार्फत सिंगो मुलुक लाभान्वित हुइ सेकि ।

नेपालके बहुमूल्य स्रोतसाधन खर्कमे मिल्लेसे फेन उचित व्यवस्थापन हुइ नैसेक्के फेन अनुसारके आम्दानी लेहे सेकल नैहो । खर्कमे बहुमूल्य जडीबुटी, चरिचरण क्षेत्र बा । उ स्रोतसाधनके उचित परिचालन हप्ते करे सेक्ले नैहुइठि । विगतमे हिमाली क्षेत्रमे पशुपालन व्यवसाय ढेर रलेसे फेन अब्बे घटना क्रममे रहल बटाजाइठ । हमारसंग रहल खर्कके उचित संरक्षण ओ उपयोग कैके फाइदा उठाइ सेक्ना अथाह सम्भावना हुइल ओरसे विद्यमान खर्क ऐन २०६८ के अविलम्ब संशोधन करनाओर राज्यके सहयोग निजी क्षेत्र खोजे बा । खर्कके बहुआयामिक फाइदा बा । समय अनुसार खर्क नीति संशोधन कैके हुइल खर्कके सही सदुपयोग करे सेक्लेसे समृद्धि खोजे हहिहिनहे कहूँ जाइ नैपरि ।

साभार: गोरखापत्र दैनिकसे

एसपीए कलेजसे क्रिकेटरद्वय भट्ट ओ रावलहे आजीवन छात्रवृत्ति



पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २८ असार । क्रिकेट नगरीके रुपमे परिचित धनगढीमे अवस्थित एसपीए कलेजसे सुदूरपश्चिमके गौरवशाली युवा क्रिकेटर सचिन भट्ट ओ सुशील रावलहे आजीवन छात्रवृत्ति ओ नगदसहित सम्मान करले बा ।

शुक्रके कलेजके सभा हलमे आयोजित विशेष कार्यक्रममे उहाँहुकनहे जनही २५-२५ हजार रुपैयाँ नगद पुरस्कारके साथे मास्टर्स तहसमके अध्ययनके लाग पूर्ण छात्रवृत्ति प्रदान कैटी सम्मान करल हो ।

सम्मानित खेलाडी भर्खर मलेसियामे सम्पन्न ‘एससी मेन्स यू-१६ ईस्ट जोन कप क्रिकेट प्रतियोगिता’मे सहभागी होके नेपाली यू-१६ राष्ट्रिय पुरुष क्रिकेट टोलीसँग उपाधि जित्न सफल हुइल रहिठ ।

कार्यक्रममे बोल्टी एसपीए कलेजके क्याम्पस प्रमुख योगराज उपाध्याय गौतम टमान विधामे उत्कृष्ट प्रतिभाहे सम्मान कैना कलेजके निरन्तर अभ्यास अन्तर्गत होनहार खेलाडी भट्ट ओ रावलहे सम्मान करे पाइबर गर्व लागल बटैलै ।

“कलेजसे प्रदान करल यी आजीवन

छात्रवृत्तिसे राष्ट्रके लाग समर्पित खेलाडीहे थप हौसला मिल्ना हमार विश्वास रहल बा । उहाँहुकनके उज्ज्वल भविष्यके लाग शुभकामना बा,” उहाँ कहलै ।

सचिन ओ सुशील मलेसियासे आइबर एसपीए कलेज धनगढी विमानस्थलमे स्वागत कैके सयौँ विद्यार्थीनके उपस्थितिमे सम्मान करल अनुभव सुनैटी उहीसे किल नैहोके क्रिकेटमे भविष्य देख्छी रहल अन्य खेलाडीहे फेन प्रेरणा मिल्ना विश्वास व्यक्त करल रहिठ । “हप्ते कलेज परिवारप्रति हार्दिक आभार प्रकट करटी, यी सम्मान प्राप्तसे हमार हौसला बहल बा,” उहाँहुकनके कहाइ रहे ।

एसपीए कलेजसे विगतमे फेन खेलकुद क्षेत्रके साथे अन्य विविध विधाके प्रतिभाशाली विद्यार्थीहे पूर्ण वा आंशिक छात्रवृत्ति प्रदान कैटी आइल बा । उहीसे आधे फेन कलेजसे युईमे सम्पन्न टी-२० महिला क्रिकेट प्रतियोगितामे नेपाल ओरसे सहभागी सुदूरपश्चिमके तीन खेलाडी मनीषा उपाध्याय, स्नेहा महारा, सावित्री धामी तथा प्रशिक्षक जानकी भट्टहे एकमुष्ट एक लाख रुपैयाँ नगद सहित सम्मान करल रहे ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश

- श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश
- रोजगार सम्झौता गरेर मात्रै काममा लागौ र लगाऔ ।
- औपचारिक तथा अनौपचारिक क्षेत्रका सम्पूर्ण श्रमिकको न्यूनतम ज्याला रु. १७,३००/- अनिवार्य रुपमा कायम गरौ/गराऔ ।
- समान कामको समान ज्याला लैगिक आधारमा पारिश्रमिकमा विभेद गर्नु कानूनी अपराध हो ।
- कार्य स्थलमा श्रमिकलाई सुरक्षाका उपकरणहरू उपलब्ध गराई काममा लगाऔ, लैगिक हिंसाको अन्त्य गरौ ।
- बालश्रम कानूनी रुपमा दण्डनिय अपराध हो । बालश्रम नगरौ/नगराऔ ।
- श्रम अडिट प्रत्येक वर्षको पौष मसान्तभित्र अनिवार्य रुपमा पेश गर्नु/गराउनु उद्योग/प्रतिष्ठानको कर्तव्य हो अन्यथा नियमानुसार कारवाही गरिने छ ।
- असल श्रम सम्बन्धको आधार सामाजिक सुरक्षा र रोजगार औद्योगिक दुर्घटना न्यूनीकरण गरौ व्यवसायजन्य रोग लागनबाट बचौ ।
- श्रम ऐन, २०६४ र नियमावली, २०७५ को पूर्णरुपमा कार्यान्वयन गरौ ।
- वैदेशिक रोजगारीमा जाँदा अनिवार्यरुपमा श्रम स्वीकृति गरेर जाऔ ।



श्रम तथा रोजगार कार्यालय

धनगढी, कैलाली

कर्णालीके एघार अर्ब फ्रिज



सुर्खेत, २८ असार । कर्णाली प्रदेश सरकारके चालु आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मे फेन बजेट कार्यान्वयन निराशाजनक देखाइल बा । ८० प्रतिशत खर्च करना लक्ष्य लेहल प्रदेश सरकार आर्थिक वर्षके अन्त्यसम जम्मा ६४.८६ प्रतिशत किल बजेट खर्च करे सेक्लेसे बा ।

प्रदेश लेखा नियन्त्रक कार्यालयके अनुसार चालु आवके लाग विनियोजित ३१ अर्ब ३० करोड रुपियाँ बजेटमध्ये जम्मा २० अर्ब ३० करोड ११ लाख रुपियाँ

किल खर्च हुइल बा । बाँकी करिब ११ अर्ब रुपियाँ फ्रिज हुइल बा । लेखा नियन्त्रक रत्नप्रसाद सुवेदीके अनुसार प्रदेश सरकार जेठ मसान्तसम १२ अर्ब ८८ करोड रुपियाँ खर्च करले रहे ।

असारके अन्तिम २५ दिनभित्र सात अर्ब ४२ करोड खर्च हुइल तथ्यांकसे गुणस्तरसे फेन जैसिक फेन खर्च करेपरना प्रवृत्ति दोहोराइल संकेत करठ । प्रमुख प्रतिपक्षी नेता तथा पूर्वमुख्यमन्त्री राजकुमार शर्मा सरकार

योजनाविहीन ओ दिशाहीन देखाइल टिप्पणी करठै ।

कर्णाली प्रदेशसे पुँजीगत बजेटओर अभिन निराशाजनक प्रदर्शन करले बा । कुल १८ अर्ब ७९ करोड विनियोजित पुँजीगत बजेटमध्ये जम्मा १० अर्ब ९६ करोड रुपियाँ ९५८.६३५० किल खर्च हुइल बा । असारके अन्तिम २५ दिनमे किल कुल पुँजीगत बजेटके २६.२२ प्रतिशत खर्च हुइल देखाइठ ।

सबसे धेर पुँजीगत बजेट पाइल भौतिक पूर्वाधार विकास मन्त्रालय ५७.०५ प्रतिशत किल खर्च करे सेक्ले बा । बजेट खर्चके सुस्त गतिसे विकास आयोजना समयमे सम्पन्न नैहुइना खतरा बहल बा । यकर प्रत्यक्ष असर नागरिक सेवामे देखाइल बा । कर्णाली सरकारसे चालु आवमे पुँजीगत बजेटओर ५८.६३ प्रतिशत खर्च करले बा, जोन आधेक वर्षके ५४.६७ प्रतिशतसे कुछ सुधार हो ।

छाडा चौपाया व्यवस्थापनसँगे आम्दानी

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २८ असार । छाडा पशुचौपाया व्यवस्थापनके लाग सञ्चालनमे लानल धनगढी उपमहानगरपालिका-३ चटकपुरमे अवस्थित गौशालासे छाडा पशुके व्यवस्थापनसँगे आम्दानी कैटी आइल बा ।

विसं २०७४ मे स्थापना हुइल गौशालामे छोटबर हाल १४३ छाडा पशु रहल बटै । जेम्ने २७ स्थानीय जातके दूध डेना दुधालु गैया बटै । उ गैयनसे दैनिक ३२ लिटर दूध उत्पादन हुइटी रहल गौ संरक्षण सेवा समितिके व्यवस्थापक रिता अवस्थी जानकारी डेली ।

उहाँके अनुसार सुरुमे तीन लिटर दूधसे बिक्री सुरु करल रहे । हाल प्रतिलिटर रु ९० के दरसे मासिक रु ८६ हजार ४०० आम्दानी हुइटी रहल बा । “कुछ बरससे गौशालासे गड्यौला मल ओ गोठेमलसमेत उत्पादन हुइटी आइल बा । इहीसे मासिक रु ३० हजार आम्दानी हुइठ । गौशालाके मुख्य आम्दानी टमान गौदान, श्राद्ध, पूजाआजालगायत टमान धार्मिक कार्यक्रमसे हुइना करल बा”, गौशाला व्यवस्थापक अवस्थीके कहाइ रहल बा ।

गौशालामे रहल छाडा पशुचौपायाके हेरविचार, स्याहारसुसारके लाग गौ संरक्षण सेवासमितिले पाँच जाने कर्मचारी रखले बा । गौशालासे हुइना आम्दानीसे मासिक रुपमे रु ७५ हजार उ कर्मचारीके तलबमे खर्च हुइना करल बा । ओस्टके, पशु आहारके लाग भुसा, पैरा, नवीन दाना, चोकरलगायत आहारमे खर्च हुइटी रहल बा ।

गौशालामे रहल गैयनके लाग पर्याप्त आहारा अपुग बा । पर्याप्त



पोषणयुक्त आहारा पुगाइ सेकल खण्डमे आउर दूध उत्पादनमे वृद्धि कैके आम्दानी बढाइ सेकजैना व्यवस्थान समूह जनैले बा ।

“सामुदायिक गौशाला रहल ओरसे सरकारी तवरसे जौन रूपसे सहयोग हुइ पर्ना हो ओट्ठरा सहयोग नैहुइल हो”,

अवस्थी कहली, “कबूकाल धनगढी उपमहानगरपालिका, भट्टे रिनरी अस्पताल तथा पशुसेवा केन्द्रलगायत निकायसे कुछ सहयोग हुइना करल रलेसे फेन गौशाला व्यवस्थापनमे उहीसे नैपुगठ । ओहमारे यकर व्यवस्थापनके लाग सहयोग कैना आवश्यक बा ।”

सुदूरपश्चिम प्रदेशको अत्याधुनिक सुविधा सम्पन्न हस्पिटल



Advanced Healthcare for all...
निसर्ग हस्पिटल

एण्ड रिसर्च सेन्टर प्रा.लि.

विशेषज्ञ डाक्टर तथा ओ.पि.डी सेवाहरू

- | | | | |
|---|--|---|---|
| जनरल फिजिसियन
(पेट, छाती, मुटु) रोग विशेषज्ञ | रेडियोलोजी विशेषज्ञ | न्युरो, मस्तिष्क, नशा तथा मेल्दण्ड रोग विशेषज्ञ | हाडजोर्नी तथा स्पोर्ट्स फिजियोथेरापिस्ट |
| हाडजोर्नी तथा नशारीय विशेषज्ञ | जनरल तथा ल्याप्रोस्कोपिक सर्जन | स्त्री तथा प्रसुति रोग विशेषज्ञ | नवजात शिशु तथा बालरोग विशेषज्ञ |
| नाक, कान, घाँटी तथा थाइरोइड रोग विशेषज्ञ | एनेस्थेसिया तथा क्रिटिकल केयर विशेषज्ञ | मुख, अनुहार तथा बङ्गारा विशेषज्ञ | मानसिक तथा नशा रोग विशेषज्ञ |
| घाला, यौन, कुष्ठरोग तथा सौन्दर्य विशेषज्ञ | मुगौला तथा मुत्ररोग विशेषज्ञ | मुटु रोग विशेषज्ञ | |

Hasanpur, Dhangadhi-5, Kailali, Nepal

091-527000/01/02, 9865680100, 9804600745

www.nisargahospitalnepal.com / nisargahospitalnepal

मौसमी सागसब्जी बेचके मासिक दुई लाख आम्दानी

जिप दुर्घटनामे चालकसहित दुईके मृत्यु

पहुरा समाचारदाता

टीकापुर, २८ असार । कैलालीके जानकी गाउँपालिका-५ पहाडीपुरके नारायण जोशीके परिवारके मुख्य आम्दानीके स्रोत सागसब्जी खेती हो । बाइस बरस आधे उहाँके बाबासे सुरु करल सागसब्जी खेतीहे उहाँ व्यावसायिक रूपमे आधे बहाइल हुइत ।

रानीजमरा कुलरिया सिँचाइ आयोजना कृषि कार्यक्रम कार्यान्वयन एकाइसे किसानहे खेतीमे हौसला किल नैहोके व्यावसायिक बना सहयोग कल हो । आयोजनाके सहयोग पाइल किसान खेतीमे प्रविधि ओ नयाँ सीप सिकके व्यावसायिक बनल बटै ।

सागसब्जी खेतीमे भविष्य ओ कमाइ डेखके व्यावसायिक खेती करटी रहल खप्तड पशुपन्थी तथा कृषि फार्मके सञ्चालक नारायणहे सिँचाइ आयोजनाके सहयोगसे पेसांमे टिकना सहज बना डेले बा । उहाँ तीन बिघामे गोलभेंडा, आलु ओ लहरे सागसब्जी लगैले बटै ।

“तीस लाख लगानी करले बटु, वार्षिक एक हजार क्विन्टल उत्पादन हुइना करल बा । सक्कु खर्च कटाके मासिक रु एक लाख पचास हजारसे दुई लाखसम्म बचत हुइत”, किसान जोशी कहलै । उहाँके पाँच जनहनके परिवार



सागसब्जी खेतीमे रमैटी रहल बा । जग्गाके खोजीमे रहल नारायण आयोजनासे सहयोग करटी रहल ओरसे अपने थप दश बिघामे सागसब्जीखेती कैना योजनामे रहल बटैले । उहाँ जैविक मल किल प्रयोग कैके खेती कैटी आइल बटै ।

रानी जमरा कुलरिया सिँचाइ आयोजनाके कृषि कार्यक्रम कार्यान्वयन एकाइसे किसानहे बीउबिजन, नयाँ प्रविधिमे अनुदान सहयोग करे लागलपाछे किसान व्यावसायिक खेतीओर आकर्षित हुइल हुइत ।

सिँचाइ आयोजनाके कृषि अधिकृत आकृति ठाकुर बाली संरक्षणके लाग खेती कैनासे पूर्व माटीसे लेके सचेत हुइ पनांमे जोड डेली । “खेती करेबर माटीके

संरक्षणसे सुरु करलमे नारायणजस्टे मजा आम्दानी लेहे सेकजाइ”, उहाँ कहली, “किसान माटी, वातावरण संरक्षण कैटी खेती करे परत । अइसीक ध्यान डेहुइया किसानहे हप्ते बाली संरक्षणमे फेन सहयोग कैटी ।”

सिँचाइ आयोजनाके प्रमुख भरत कँडेल आयोजनाके युवा किसानहे कृषिमे प्रेरित कैना नीति रहल बटैले । “अइसीक प्रेरणादायी रूपमे काम करइया किसानहे टेको लगैना काम आयोजनासे कैटी रहल बा”, उहाँ कहलै, “कृषिमे जोशी परिवारके सफलता डेखेबर खुसी लागल बा ।”

आयोजनाके कमाण्ड क्षेत्रके किसान व्यावसायिक बना किसानके आवश्यकताके आधारमे आयोजनासे

बीउबिजनमे ५० प्रतिशत अनुदान, नयाँ प्रविधिमे ७० से ८० प्रतिशत अनुदान उपलब्ध करैले बा ।

सागसब्जीखेतीहे पेशा बनाके युवा पुस्ताहे फेन ओम्ने रमैना अभिप्रेरित करल किसान नारायणके बाबा प्रेमप्रसाद जोशीहे राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल पुरस्कृत करल रहित । राष्ट्रपतिसे नगद रु दुई लाखसहित उहाँहे कृषिके माध्यमसे मुलुकके आर्थिक समृद्धिमे योगदान डेहल कहटी पुरस्कृत करल हो ।

बैतडी, २८ असार । बैतडीके पाटन नगरपालिका-६ स्थित खिपालीमे जिप दुर्घटना होके चालकसहित दुई जनहनके मृत्यु हुइल बा कलेसे ६ जाने गम्भीर घाहिल हुइल बटै । मृत्यु हुइयामे जिप चालक सन्तोष बोहरा ओ ३२ वर्षीया किरण बोहरा रहल जिल्ला प्रहरी कार्यालय बैतडीके सुचना अधिकारी बलराम पाण्डे बटैले ।

धनगढीसे दार्चुलाके गन्ना जैटी रहल सुप प्र ०४-००१ ज १३७२ नम्बरके जिप शुक्रके सकारे करिब ५:३० बजे खिपालीमे सडकसे बिछुलके भिरमे गिरल स्थानीय बसन्त बहादुर बिष्ट बटैले ।

दुर्घटनामे डिलासैनी गाउँपालिका

निवासी २५ वर्षीय हेमन्त प्रसाद भट्ट, ५२ वर्षीया कुल्मा धामी, २७ वर्षीय राजेन्द्र खत्री, २१ वर्षीया भागरथी खत्री, ओहकान २ वर्षीया छाड एलिसा खत्री, ३९ वर्षीय रामकुमार राना घाहिल हुइल सूचना अधिकारी पाण्डे बटैले ।

दुर्घटनाके जानकारी पाइलपाछे इलाका प्रहरी कार्यालय पाटन ओ स्थानीयवासी घटनास्थल पुगके उद्धार करल रहित । घाइतेहुकनहे प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पाटनमे प्राथमिक उपचार कराइल बा कलेसे गम्भीर घाइतेहुकनहे थप उपचारके लाग अन्यत्र रेफर करल प्रहरी प्रवक्ता पाण्डे बटैले ।

बालश्रम अन्त्य गरौं

बालश्रमका कारण:

- ❖ शिक्षाबाट बञ्चित हुने,
- ❖ मानसिक र शारीरिक स्वास्थ्यमा असर पर्ने,
- ❖ भविष्य अन्धकार हुने,
- ❖ बालअधिकारको उल्लङ्घन हुन्छ,

त्यसैले:

- ❖ बालश्रमको विरोध गरौं,
- ❖ शिक्षाको पहुँच सबैमा सुनिश्चित गरौं,
- ❖ गरिबी निवारणमा सहयोग गरौं,
- ❖ बालश्रम गराउनेलाई कानुनी कारबाही गर्न सहयोग गरौं,



नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

फाप्लाके वातावरणीय प्रभाव मूल्यांकन स्वीकृत



पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २८ असार । धनगढीके फाप्ला अन्तर्राष्ट्रिय क्रिकेट रंगशाला तथा खेल ग्रामके वातावरणीय प्रभाव मूल्यांकन (ईआईए) स्वीकृत हुइल बा ।

नेपाल सरकार, वन तथा वातावरण मन्त्रालयसे शुक्रके रंगशालाके वातावरणीय प्रभाव मूल्यांकन स्वकृत

करल हो ।

फाप्ला अन्तर्राष्ट्रिय क्रिकेट रंगशाला तथा खेल ग्राम वातावरणीय प्रभाव मूल्यांकन स्वीकृत हुइलसँगै निर्माणके कानुनी उगारा खुलल जनाइल बा । वातावरणीय प्रभाव मूल्यांकनके काम औपचारिक रूपमे ओराइल बा ।

धनगढीके फाप्लामे क्रिकेट रंगशाला तथा खेल ग्रामके परियोजना निर्माणके लाग जग्गा प्राप्ति, विकास समिति गठन, विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डिपीआर) निर्माण लगायतके काम पूरा हुइल बावै । रंगशाला निर्माणके प्राविधिक काम पूरा हुइल हो । रंगशाला निर्माणमे २६ अर्बके लगानी आवश्यक पनां डेखल बा । ५० हजार दर्शकके क्षमता रहल क्रिकेट रंगशाला तथा खेल ग्राम निर्माणके लाग बजेटके जोहो करे पनां डेखल बा ।

धनगढी उपमहानगरपालिका-३ फाप्लामे क्रिकेट रंगशालासहित फुटबल मैदान, पौडी पोखरी, ट्याक एन्ड फिल्ड, स्पोर्ट्स म्युजियम, तथा टमान खेलकुद आयोजना करे सेकजैना मल्टिसपोर्ट्स हल लगायतके पूर्वाधार निर्माण कैना योजना रहल बा ।

ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि-कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्ट्सहरू थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाइन्छ ।

कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।

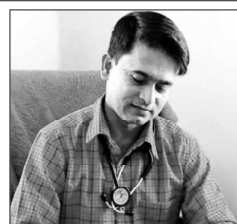


संजय अटो सेल्स एण्ड रि-कण्डिसन

धनगढी-४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा दुईसय मिटर पूर्व)

फोन नं. ०९१४०१०५, सुजित मो. ९८५८४२३९१२, सुनिल मो. ९८६७७९३५२१, महेश मो. ९८१३१३१०२९

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अवसर !! सुवर्ण अवसर !!!



डा. संजयकुमार गुप्ता

एम.बि.बि.एस., एम.डि. (टि.यु.)

इन्टरनल मेडिसिन वरिष्ठ

कन्सल्टेन्ट फिजिसियन (पेट,

छाती, मुटु, कलेजो, मधुमेह

(सुगर), प्रेसर, तथा थाईराइड

रोग विशेषज्ञ

एन.एम.सी. नं.-१०५६४

डाक्टरद्वारा दिइने स्वास्थ्य सेवाहरू

- मुटु दुखेको, मुटु भारी जस्तो भएको, मुटुको धडकन बढेको ।
- सास लिन गाह्रो हुने, छाती दुख्ने, रूघाखाकी लागेको, खकारबाट रगत देखिने, लामो समयदेखि दमको समस्या भएको ।
- पेट दुख्ने, कोखा दुख्ने, मुखबाट रगत बग्ने ।
- अमिलो पानी आउने, द्याउ-दयाउ आउने, उल्टी हुने, पेट फुलेर खान मन नलाग्ने ।
- पिसाब पोल्ने, रातो पिसाब आउने, कम पिसाब हुने, पिसाब बन्द हुने, राति धेरै पटक पिसाब हुने, खुट्टा सुनिने, पहेलो पिसाब हुने ।
- पेट फुल्ने, हात खुट्टा सुनिने, पेटमा पानी जम्ने, जण्डिस हुने, खाना नरुच्ने, दम हुने ।
- धेरै मोटो हुने, निन्द्रा धेरै लाग्ने, मुटुको धडकन बढ्ने, आँखा बाहिर आउने, मान्छे एकदम पातलो हुने ।
- टाउको दुख्ने, चक्कर लाग्ने, हिँड्दाखेरि लडिबुडी हुने, निन्द्रा नलाग्ने, हिँड्दा खेरि दम हुने ।
- धेरै तिखा लाग्ने, धेरै पिसाब हुने, धेरै खान मन लाग्ने, हातखुट्टा भ्रम-भ्रम गर्ने ।
- सुगर, प्रेसर, थाइराइड रोगको उपचार तथा परामर्श ।
- ज्वरो सम्बन्धी सम्पूर्ण रोगको उपचार ।
- शरीरमा रगत कम हुने, अल्छी लाग्ने, शरीर सुनिने, थाक्ने ।
- बाथ रोग सम्बन्धी उपचार तथा परामर्श ।

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हाम्रा सेवाहरू : १) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याबिन । २) स्त्री रोग तथा प्रसूती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गडबडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेसन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाडड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठगुठी आउने, शरीरका विभिन्न भागमा गाँठगुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किडनीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेसन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अपरेसन) । ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अपरेसन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुछाँ पनु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा भ्रमभ्रमाउने, छारे रोग । १०) आगाले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडोको अपरेसन आदि सेवा ।



कैलाली अस्पताल प्रा.लि

जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली

फोन नं. ०९१-५२४५५५, ५२४६५४, ५२९२४९

Empowering Futures through Technical Excellence !

Admission Open!

Certificate in Medical Lab Technology

Three-Year Diploma Program

Entry Requirement

- Min. 2.0 GPA in SEE or equivalent with grades in compulsory mathematics, science, and English. Or
- TSLC in Medical Laboratory Technology with 68.33%

Career Opportunities

- Hospitals and clinics
- Diagnostic and research laboratories
- Blood banks
- Pharmaceutical and biotech industries
- Self-employment in medical labs
- Government jobs

Further Studies and Career

- Bachelor in Medical Laboratory Technology (BMLT)
- Bachelor of Science in Laboratory Medicine
- Bachelor of Public Health (BPH)
- Bachelor of Pharmacy (BPharm)
- Bachelor of Nursing (BSc Nursing)
- B.Sc. in Microbiology/Biochemistry/Biotechnology

Contact Us

ATTARIYA TECHNICAL COLLEGE

GODAWARI-2, ATTARIYA, KAILALI

091-551286 | 9848412999
9742410357 | 9841672834
attariyatc@gmail.com